

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल
हायर सेकेण्डरी परीक्षा सत्र 2024-25
अंक योजना

कक्षा :- 11वीं

विषय :- फसल उत्पादन एवं उद्यानशास्त्र (कृषि संकाय)

पूर्णांक :- 70

समय :- 3:00 घंटे

क्र.	इकाई क्र.	निर्धारित पाठ्यक्रम अनुसार इकाई / अध्याय	आवृत्ति अंक
1	01	कृषि परिचय- इतिहास, (प्राचीन भारतीय कृषि व आधुनिक कृषि) कृषि की परिभाषा, कृषि के प्रकार, राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में कृषि का महत्व, कृषि का व्यवसायीकरण, कृषि व्यवसायीकरण की आवश्यकता, कृषि के व्यवसायीकरण का क्षेत्र। भारत में खाद्यान्न उत्पादन के लक्ष्य एवं भविष्य में संभावनाएं।	2
2	02	खेती के प्रकार एवं प्रणालियां- खेती के मुख्य प्रकार- सामान्य खेती, विशिष्ट खेती, शुष्क खेती, मिश्रित खेती, सिंचित खेती, रेंचिंग खेती, उनके गुण, दोष एवं विशेषताएं। जैविक खेती- अर्थ, महत्व, एवं उपयोगिता। खेती की मुख्य प्रणालियां- व्यक्तिगत खेती, सामूहिक खेती, सहकारी खेती, सरकारी खेती, एवं पूंजीवादी खेती।	4
3	03	फसलों के वर्गीकरण एवं फसल चक्र- विभिन्न आधार पर फसलों का वर्गीकरण (ऋतु जीवन चक्र, उपयोगिता, सस्य वैज्ञानिक वर्गीकरण) फसल चक्र- परिभाषा, सिद्धांत, महत्व, फसल चक्र को प्रभावित करने वाले कारक जैसे, वर्षा, तापक्रम, आर्द्रता, वायु, दीप्तीकाल, मृदा एवं फसल संबंधी अन्य कारक, म.प्र. में अपनाये जाने वाले उपयोगी फसल चक्रों का अध्ययन।	5
4	04	मिश्रित फसल- महत्व, सिद्धांत एवं आवश्यकता, बहुफसली खेती व अर्न्तवर्ती खेती, बहु फसली खेती की आवश्यकता एवं महत्व।	4
5	05	मृदा- परिभाषा, मृदा निर्माण, मृदा का संगठन, म.प्र. की मृदाओं का वर्गीकरण एवं विशेषताएं।	3
6	06	मृदा के भौतिक गुण- मृदा संरचना, मृदा गठन, मृदा रन्धाकाश, आपेक्षिक घनत्व, संसंजन, आसंजन मृदा रंग, मृदा जल, मृदा का पी.एच. मान एवं मृदा की उर्वरता।	2
7	07	अम्लीय एवं क्षारीय मृदाएं- परिभाषा, बनने के कारण, अम्लीयता व क्षारीयता का मृदा एवं पौधों पर प्रभाव, क्षारीय मृदाओं का वर्गीकरण (लवणीय, लवणयुक्त क्षारीय एवं क्षारीय), अम्लीय व क्षारीय मृदाओं के सुधार के विभिन्न उपाय।	4
8	08	मृदा क्षरण एवं संरक्षण- मृदा क्षरण की परिभाषा, मृदा क्षरण के प्रकार, मृदा क्षरण के प्रमुख कारक, एवं उनका प्रभाव। मृदा संरक्षण- परिभाषा, महत्व, मृदा संरक्षण के प्रमुख उपाय।	4
9	09	भूपरिष्करण- परिभाषा, प्रकार, उद्देश्य, भूपरिष्करण का महत्व, भूपरिष्करण की आधुनिक अवधारणायें- शून्य भूपरिष्करण, न्यूनतम भूपरिष्करण इत्यादि।	3
10	10	भूपरिष्करण एवं अन्य यंत्र- देशी हल, विभिन्न मिट्टी पलट हल, हैरो एवं उसके प्रकार, कल्टीवेटर व उसके प्रकार, डोरा, वखर, पटेला, सीडड्रिल, रीपर, विनोअर, थ्रेसर, कम्बाइन हार्वेस्टर, आलू एवं गन्ना बोने की मशीन का अध्ययन छिड़काव यंत्रों का रखरखाव।	5

11	11	सिंचाई— परिभाषा, उद्देश्य, सिंचाई के स्रोत, सिंचाई की विधियां व उनके गुण-दोष, सिंचाई की दक्षता, सिंचाई जल की माप, 90 डिग्री व्ही नोच एवं कुलावे का अध्ययन। जलमांग— अर्थ प्रकार व जलमांग को प्रभावित करने वाले कारक, प्रमुख फसलों की मांग। जलमान क्षमता— अर्थ, प्रकार व प्रभावित करने वाले कारक।	4
12	12	पानी उठाने वाले यंत्र— उनका वर्गीकरण, डीजल एवं विद्युत चलित प्रमुख पम्पों की कार्य प्रणाली व सिद्धांत, पवन चक्की व अन्य गैर परम्परागत ऊर्जा चलित यंत्र। जल संवर्धन प्रबन्धन (वाटर शेड मैनेजमेंट) का अर्थ एवं वर्तमान कृषि में उसकी आवश्यकता।	3
13	13	फसलों की खेती का अध्ययन—1 (वनस्पति नाम, कुल उत्पत्ति, महत्व, वितरण, जलवायु, भूमि, भूमि की तैयारी, उन्नत जातियां, बोने का समय, बीज दर, बीजोपचार बोने की विधि, सिंचाई, निंदाई, गुड़ाई, कटाई, उपज कीट एवं रोग इत्यादि शीर्षकों के अंतर्गत) — ज्वार, मक्का, बाजरा कपास, मंगूफली की खेती।	4
14	14	फसलों की खेती का अध्ययन—2 गेहूँ, अलसी, सरसों, एवं बरसीम की खेती का अध्ययन।	5
15	15	उद्यानशास्त्र का प्रारंभिक अध्ययन— परिभाषा, क्षेत्र एवं महत्व, उद्यान शास्त्र की शाखाएँ भारतीय अर्थव्यवस्था में उद्यानशास्त्र का महत्व म.प्र. के फल अनुक्षेत्रों के नाम फलोद्यान की स्थापना हेतु मूलभूत आवश्यकताएँ एवं क्रियाएँ।	3
16	16	गृह वाटिका— अर्थ—उद्देश्य लाभ—हानि, स्थापना, स्थान निर्धारण, नर्सरी प्रबंध, घेरा या बाड़ लगाना, भूमि— विकास एवं रेखांकन।	2
17	17	सब्जियों की खेती—1 आलू, टमाटर, बैंगन, मिर्च, प्याज, फूलगोभी, पत्तागोभी, गांठ गोभी की खेती।	2
18	18	सब्जियों की खेती—2 लोकी, करेला, खीरा एवं कददू, मूली गाजर, धनिया, पालक एवं मैथी की खेती।	3
19	19	पुष्पीय पौधों की खेती— गेंदा गुलाब, गुलदाउदी, गेलार्डिया, ग्लेडियोलस, डहेलिया एवं जरबेरा।	5
20	20	कृषि संस्थान— विभिन्न शैक्षणिक, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थानों की जानकारी।	3
कुल योग—			70

(पूर्व निर्धारित पाठ्यपुस्तक के आधार पर)

नोट: —

- प्रश्न क्रमांक — 1 से 5 तक 28 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न पर 01 अंक निर्धारित है।
प्रश्न क्रमांक 1 — सही विकल्प 06,
प्रश्न क्रमांक 2 — रिक्त स्थान 06,
प्रश्न क्रमांक 3 — सत्य असत्य 06,
प्रश्न क्रमांक 4 — सही जोड़ी 05,
प्रश्न क्रमांक 5 — एक वाक्य में उत्तर 05,
- प्रश्न क्रमांक — 6 से 12 तक कुल 07 प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न पर 02 अंक निर्धारित है।
- प्रश्न क्रमांक — 13 से 16 तक कुल 04 प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न पर 03 अंक निर्धारित है।
- प्रश्न क्रमांक — 17 से 20 तक कुल 04 प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न पर 04 अंक निर्धारित है।

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल
हायर सेकेण्डरी परीक्षा सत्र 2024-25
पाठ्यक्रम

कक्षा :- 11वीं

विषय :- फसल उत्पादन एवं उद्यानशास्त्र (कृषि संकाय)

क्र.	इकाई क्र.	इकाई / अध्याय
1	01	कृषि परिचय- इतिहास, (प्राचीन भारतीय कृषि व आधुनिक कृषि) कृषि की परिभाषा, कृषि के प्रकार, राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में कृषि का महत्व, कृषि का व्यवसायीकरण, कृषि व्यवसायीकरण की आवश्यकता, कृषि के व्यवसायीकरण का क्षेत्र। भारत में खाद्यान्न उत्पादन के लक्ष्य एवं भविष्य में संभावनाएं।
2	02	खेती के प्रकार एवं प्रणालियां- खेती के मुख्य प्रकार- सामान्य खेती, विशिष्ट खेती, शुष्क खेती, मिश्रित खेती, सिंचित खेती, रेंचिंग खेती, उनके गुण, दोष एवं विशेषताएं। जैविक खेती- अर्थ, महत्व, एवं उपयोगिता। खेती की मुख्य प्रणालियां- व्यक्तिगत खेती, सामूहिक खेती, सहकारी खेती, सरकारी खेती, एवं पूंजीवादी खेती।
3	03	फसलों के वर्गीकरण एवं फसल चक्र- विभिन्न आधार पर फसलों का वर्गीकरण (ऋतु जीवन चक्र, उपयोगिता, सस्य वैज्ञानिक वर्गीकरण) फसल चक्र- परिभाषा, सिद्धांत, महत्व, फसल चक्र को प्रभावित करने वाले कारक जैसे, वर्षा, तापक्रम, आर्द्रता, वायु, दीप्तीकाल, मृदा एवं फसल संबंधी अन्य कारक, म.प्र. में अपनाये जाने वाले उपयोगी फसल चक्रों का अध्ययन।
4	04	मिश्रित फसल- महत्व, सिद्धांत एवं आवश्यकता, बहुफसली खेती व अर्न्तवर्ती खेती, बहु फसली खेती की आवश्यकता एवं महत्व।
5	05	मृदा- परिभाषा, मृदा निर्माण, मृदा का संगठन, म.प्र. की मृदाओं का वर्गीकरण एवं विशेषताएं।
6	06	मृदा के भौतिक गुण- मृदा संरचना, मृदा गठन, मृदा रन्धाकाश, आपेक्षिक घनत्व, संसंजन, आसंजन मृदा रंग, मृदा जल, मृदा का पी.एच. मान एवं मृदा की उर्वरता।
7	07	अम्लीय एवं क्षारीय मृदाएं- परिभाषा, बनने के कारण, अम्लीयता व क्षारीयता का मृदा एवं पौधों पर प्रभाव, क्षारीय मृदाओं का वर्गीकरण (लवणीय, लवणयुक्त क्षारीय एवं क्षारीय), अम्लीय व क्षारीय मृदाओं के सुधार के विभिन्न उपाय।
8	08	मृदा क्षरण एवं संरक्षण- मृदा क्षरण की परिभाषा, मृदा क्षरण के प्रकार, मृदा क्षरण के प्रमुख कारक, एवं उनका प्रभाव। मृदा संरक्षण- परिभाषा, महत्व, मृदा संरक्षण के प्रमुख उपाय।
9	09	भूपरिष्करण- परिभाषा, प्रकार उद्देश्य, भूपरिष्करण का महत्व, भूपरिष्करण की आधुनिक अवधारणायें- शून्य भूपरिष्करण, न्यूनतम भूपरिष्करण इत्यादि।
10	10	भूपरिष्करण एवं अन्य यंत्र- देशी हल, विभिन्न मिट्टी पलट हल, हैरो एवं उसके प्रकार, कल्टीवेटर व उसके प्रकार, डोरा, वखर, पटेला, सीडड्रिल, रीपर, विनोअर, थ्रेसर, कम्बाइन हारवेस्टर, आलू एवं गन्ना बोने की मशीन का अध्ययन छिड़काव यंत्रों का रखरखाव।

11	11	सिंचाई- परिभाषा, उद्देश्य, सिंचाई के स्रोत, सिंचाई की विधियां व उनके गुण-दोष, सिंचाई की दक्षता, सिंचाई जल की माप, 90 डिग्री व्ही नोच एवं कुलावे का अध्ययन। जलमांग- अर्थ प्रकार व जलमांग को प्रभावित करने वाले कारक, प्रमुख फसलों की मांग। जलमान क्षमता- अर्थ, प्रकार व प्रभावित करने वाले कारक।
12	12	पानी उठाने वाले यंत्र- उनका वर्गीकरण, डीजल एवं विद्युत चलित प्रमुख पम्पों की कार्य प्रणाली व सिद्धांत, पवन चक्की व अन्य गैर परम्परागत ऊर्जा चलित यंत्र। जल संवर्धन प्रबन्धन (वाटर शेड मेनेजमेंट) का अर्थ एवं वर्तमान कृषि में उसकी आवश्यकता।
13	13	फसलों की खेती का अध्ययन-1 (वनस्पति नाम, कुल उत्पत्ति, महत्व, वितरण, जलवायु, भूमि, भूमि की तैयारी, उन्नत जातियां, बोने का समय, बीज दर, बीजोपचार बोने की विधि, सिंचाई, निंदाई, गुड़ाई, कटाई, उपज कीट एवं रोग इत्यादि शीर्षकों के अंतर्गत)- ज्वार, मक्का, बाजरा कपास, मंगूफली की खेती।
14	14	फसलों की खेती का अध्ययन-2 गेहूँ, अलसी, सरसों, एवं बरसीम की खेती का अध्ययन।
15	15	उद्यानशास्त्र का प्रारंभिक अध्ययन- परिभाषा, क्षेत्र एवं महत्व, उद्यान शास्त्र की शाखाएँ भारतीय अर्थव्यवस्था में उद्यानशास्त्र का महत्व म.प्र. के फल अनुक्षेत्रों के नाम फलोद्यान की स्थापना हेतु मूलभूत आवश्यकताएँ एवं क्रियाएँ।
16	16	गृह वाटिका- अर्थ-उद्देश्य लाभ-हानि, स्थापना, स्थान निर्धारण, नर्सरी प्रबंध, घेरा या बाड लगाना, भूमि- विकास एवं रेखांकन।
17	17	सब्जियों की खेती-1 आलू, टमाटर, बैंगन, मिर्च, प्याज, फूलगोभी, पत्तागोभी, गांठ गोभी की खेती।
18	18	सब्जियों की खेती-2 लोकी, करेला, खीरा एवं कद्दू, मूली गाजर, धनिया, पालक एवं मैथी की खेती।
19	19	पुष्पीय पौधों की खेती- गेंदा गुलाब, गुलदाउदी, गेलार्डिया, ग्लेडियोल्स, डहेलिया एवं जरबेरा।
20	20	कृषि संस्थान- विभिन्न शैक्षणिक, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थानों की जानकारी।

(पूर्व निर्धारित पाठ्यपुस्तक के आधार पर)

5 mr 20